भारत सरकार

रक्षा मंत्रालय

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3662

21 मार्च, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

जेसीबीसीएटी में अनुसंधान और विकास परियोजनाएं

3662. श्री जगन्नाथ सरकार:

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) जगदीश चंद्र बोस सेंटर फॉर एडवांस्ड टेक्नोलॉजी (जेसीबीसीएटी) में प्रमुख फोकस क्षेत्र और अब तक प्राप्त की गई महत्वपूर्ण उपलब्धियों सहित; जारी अनुसंधान और विकास परियोजनाओं की स्थिति;

(ख) वर्तमान में जेसीबीसीएटी में अनुसंधान में संलग्न वैज्ञानिकों, प्रोफेसरों और छात्रों की कुल संख्या सहित विभिन्न परियोजनाओं में उनकी भूमिका और योगदान का विवरण;

(ग) क्या जेसीबीसीएटी में अनुसंधान और विकास गतिविधियों को विस्तृत करने की योजना है और यदि हां, तो प्राथमिकता वाले विशिष्ट क्षेत्रों सहित तत्संबंधी ब्यौरा; तथा

(घ) मानवरहित रोबोटिक्स, निर्देशित ऊर्जा हथियारों, सुरक्षित प्रणालियों और अन्य रक्षा अनुप्रयोगों जैसे अनुसंधान कार्यक्षेत्रों पर विशेष रूप से भविष्य की उन परियोजनाओं और उभरती हुई प्रौद्योगिकियों का ब्यौरा जिन पर जेसीबीसीएटी में विकास के लिए विचार किया जा रहा है?

उत्तर

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री संजय सेठ)

(क) जाधवपुर विश्वविद्यालय में जेसीबीसीएटी के कार्यात्मक तौर-तरीकों को माननीय रक्षा मंत्री के अनुमोदन से डीआरडीओ की स्व-लेखाकरण इकाई से बदलकर शिक्षण संस्थाओं द्वारा प्रबंधित डीआरडीओ उद्योग अकादमिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (डीआईए-सीओई) में बदल दिया गया है। यह डीआईए-सीओई खड़गपुर आईआईटी से कार्य कर रहा है। जेसीबीसीएटी में चल रही सभी अनुसंधान गतिविधियों का प्रबंधन अब डीआईए-सीओई, खड़गपुर द्वारा किया जा रहा है।

जेसीबीसीएटी के निम्नलिखित प्रमुख फोकस क्षेत्र

i मानवरहित और रोबोटिक्स प्रौद्योगिकियां।

ii. सुरक्षित प्रणालियां और संज्ञानात्मक प्रौद्योगिकियां।

iii. निर्देशित ऊर्जा प्रौद्योगिकियां।

(ख) जेसीबीसीएटी को 24 सहायता अनुदान परियोजनाएं स्वीकृत की गईं थी। डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के प्रोफेसरों, अनुसंधानकर्ताओं और वैज्ञानिकों का विवरण इस प्रकार है:

i. जारी परियोजनाएं (3) प्रोफेसर: 10 सं.; अनुसंधानकर्ता: 20 सं.; डीआरडीओ की हितधारक प्रयोगशालाओं से वैज्ञानिक: 10 सं.

ii. समाप्त परियोजनाएं (21 सं.) प्रोफेसर: 65 सं.; अनुसंधानकर्ता: 80 सं.; डीआरडीओ की हितधारक प्रयोगशालाओं से वैज्ञानिक: 63 सं.

जेसीबीसीएटी की परियोजनाओं को निगरानी और प्रशासकीय कार्यों के लिए डीआईए-सीओई आईआईटी खड़गपुर को स्थानांतरित कर दिया गया है। तकनीकी गतिविधियों के निष्पादन हेतु प्रमुख जांचकर्ताओं (पीआई) और सह प्रमुख जांचकर्ताओं के रूप में प्रोफेसरों की संलग्नता है। हितधारक प्रयोगशालाओं के वैज्ञानिक को-डेवलपर के रूप में शामिल हैं और परियोजना की प्रगति के लिए प्रमुख जांचकर्ताओं को नियमित इनपुट/प्रतिक्रिया प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त, परियोजना गतिविधियों के लिए जेआरएफ, एसआरएफ, रिसर्च असोसिएट और अन्य तकनीकी जनशक्ति की भर्ती की जाती है।

(ग) और (घ) जी, हां। डीआरडीओ ने भावी प्रौद्योगिकी आवश्यकता को प्राप्त करने के लिए 'अंतर्जलीय रोबोटिक्स', 'साइबर भौतिक रक्षा प्रणाली' और 'गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता तथा सुरक्षा अध्ययन' जैसे नए अनुसंधान क्षेत्रों को जोड़कर जेसीबीसीएटी में अनुसंधान के दायरे को और विस्तृत करने की पहल की है।

*****